झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Jharkhand

भाषा–स्कूल

School of Languages

हिन्दी विभाग

HINDI DEPARTMENT

पीएच0 डी0–एक सत्रीय पाठ्यक्रम

(कोर्स वर्क)

सत्रारम्भ–2018

पाठ्यक्रम संरचना
पीएच0 डी0 एक सत्रीय पाठ्यक्रम (कोर्स वर्क)

क्र0 सं0	पत्रकूट	पत्र का नाम	L	T	P	साख
1.	HIN/911010	शोध प्रविधि और कम्प्यूटर अनुप्रयोग	4	0	0	4
2.	HIN/911020	हिंदी भाषा एवं साहित्य	4	0	0	4
3.	HIN/911030	हिंदी साहित्य, चिंतन अवधारणा और विमर्श	5	0	0	5

एक समसत्रीय पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	पत्रकूट	पत्र का नाम	L	T	P	साख
1.	HIN/911010	शोध प्रविधि और कम्प्यूटर अनुप्रयोग	4	0	0	4
2.	HIN/911020	हिंदी भाषा एवं साहित्य	4	0	0	4
3.	HIN/911030	हिंदी साहित्य, चिंतन अवधारणा और विमर्श	5	0	0	5

Scanned with OKEN Scanner

पत्रकूट : PHDHIN/911010

शोध प्रविधि और कम्प्यूटर अनुप्रयोग

इकाई 1

- शोध : अभिप्राय, स्वरूप एवं प्रयोजन
- अनुसंधान और आलोचना
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ—तुलनात्मक मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक

इकाई 2

- शोध विषय का चयन और आधार
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण पद्धति
- शोध प्रबंध की प्रस्तावना निर्माण पद्धति

इकाई 3

- सामग्री संकलन
- पुस्तकालय क्षेत्र भ्रमण, अन्य स्त्रोतों से आँकड़ों का एकत्रीकरण
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया और उपादेयता
- शोध प्रबंध की क्रमिक व्यवस्था प्रविधि
- शोध उपसंहार लेखन

इकाई 4

- कम्प्यूटर : परिचय परिचालन प्रणाली एवं कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- मल्टीमीडिया उपकरणों का अनुप्रयोग
- शब्द संसाधन, डाटा संसाधन, हार्डवेयर विकल्प, सामान्य उद्देश्यीय सॉफ्टवेयर परिवार

संदर्भ पुस्तकें :

1. अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया – एस0 एन0 गणेशन
2. अनुसंधान की प्रक्रिया– डॉ0 सावित्री सिन्हा/डॉ0 विजयेद्र स्नातक
3. शोध प्रविधि – डॉ0 विनय मोहन शर्मा
4. साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान – डॉ0 देवराज उपाध्याय

रत्नेश विष्वक्सेन 26-3-18

Scanned with OKEN Scanner

5. शोध और सिद्धान्त– डॉ0 नगेन्द्र
6. इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च– टी॰ हेलवे
7. दि स्ट्रैटजी ऑफ रिसर्च–इसार जार्ज, पागेट थंपसन
8. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
9. हिन्दी कम्प्यूटिंग – डॉ0 त्रिभुवन नाथ शुक्ल
10. प्रामाणिक प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
11. भाषा विज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र
12. कम्प्यूटर और हिंदी – डॉ0 हरिमोहन
13. कम्प्यूटर का सहज बोध – बैद्यनाथ सिंहल

पत्रकूट : PHDHIN 911020
हिंदी भाषा एवं साहित्य

इकाई 1.

- हिंदी भाषा का विकास
- भाषा विज्ञान की अध्ययन पद्धतियाँ
- प्रमुख भाषावैज्ञानिक और भाषा चिंतन

इकाई 2.

- इतिहास और साहित्य
- साहित्येतिहास दर्शन
- साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

इकाई 3.

- भारतीयता का समाजशास्त्र
- भारतीय साहित्य की अवधारणा
- भारतीय साहित्य और हिन्दी साहित्य का पारस्परिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 4.

- लोक साहित्य की अवधारणा
- लोक साहित्य और जनमानस
- लोक साहित्य और हिन्दी साहित्य का पारस्परिक परिप्रेक्ष्य

सन्दर्भ पुस्तकें : भाषा विज्ञान

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी
4. हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी

रत्नेश विश्वक्सेन
26-3-18

साहित्येतिहास दर्शन

Scanned with OKEN Scanner

1. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
2. हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन – डॉ0 आनंद नारायण शर्मा
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि – डॉ0 मैनेजर पाण्डेय

हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ–डॉ0 अवधेश प्रधान, साहित्यवाणी प्रकाशन, इलाहाबद
5. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ–डॉ0 रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Scanned with OKEN Scanner

हिंदी साहित्य चिंतन और विमर्श

इकाई 1

- मध्यकालीन साहित्य
- मध्यकाल : अवधारणा और चिंतन
- भक्तिकाव्य और लोकजागरण

इकाई 2

- शास्त्र और रीतिकाल का संदर्भ
- मध्यकालीन बोध का स्वरूप
- समाज, संस्कृति और दर्शन

इकाई 3

- भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य
- हिन्दी नवजागरण
- बांग्ला नवजागरण व मराठी नवजागरण

इकाई 4

- आधुनिकता, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद
- संरचनावाद, विखंडनवाद, उत्तर संरचनावाद
- मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद

इकाई 5

- अस्मितामूलक विमर्श
- दलित विमर्श
- स्त्री विमर्श
- आदिवासी विमर्श

सन्दर्भ पुस्तकें

इकाई 1

1. मध्यकालीन साहित्य पुनरवलोकन–नित्यानंद तिवारी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
2. परम्परा का मूल्यांकन–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका–हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
4. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास–हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन
5. निर्गुण संतो का स्वप्न–डेविड एन लॉरेंजन, राजकमल प्रकाशन
6. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य–शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन

इकाई 2

1. हिन्दी साहित्य का अतीत भाग दो– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. हिन्दी रीति साहित्य–भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन
3. मध्यकालीन बोध का स्वरूप–हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन

रजनीश विश्वसेन 26-3-18

Scanned with OKEN Scanner

4. रीति काव्य मूल्यांकन के नये आयाम–प्रभाकर सिंह(सं), राजकमल प्रकाशन
5. रीतिकाव्य की भूमिका–डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

इकाई 3

1. सामाजिक क्रांति के दस्तावेज–शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन
2. भारतीय नवजागरण और यूरोप–रामविलास शर्मा, हि मा का नि, दिल्ली
3. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति–शंभुनाथ, आनंद प्रकाशन, कोलकाता
4. भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश–रामविलास शर्मा,
5. रामविलास शर्मा का ऐतिहासिक योगदान–रामविलास शर्मा, अनुराग प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्यायें–श्याम कश्यप(संपा.), हि मा का नि, दिल्ली
7. रस्मी अध्ययनों से परे इतिहास और आलोचना– प्रदीप सक्सेना, नयी किताब
8. भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ–कर्मेन्दु शिशिर, नयी किताब
9. 1857 और हिन्दी नवजागरण–प्रदीप सक्सेना, आधार प्रकाशन
10. हिंदी नवजागरण और डॉ0 रामविलास शर्मा का चिंतन, संपादक, रविरंजन, हिंदयुग्म, दिल्ली

इकाई 4

1. आधुनिकता के पहलू–इन्द्रनाथ मदान, लोकभारती प्रकाशन
2. उत्तर आधुनिकता : बहुआयामी सन्दर्भ–पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु', लोकभारती प्रकाशन
3. उत्तर औपनिवेशिकता के स्त्रोत और हिन्दी साहित्य–प्रणय कृष्ण, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अँधेरे समय में विचार–विजय कुमार, संवाद प्रकाशन, मुम्बई
5. आलोचना से आगे–सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन
6. बीसवीं सदी की सोच का सफर : स्वप्न और स्मृति के बीच, देवेन्द इस्सर, संवाद प्रकाशन, मुम्बई
7. प्राच्यशास्त्र, संरचनावाद व उत्तर संरचनावाद–गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी

इकाई 5

1. दलित विमर्श की भूमिका–कंवल भारती
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र–ओमप्रकाश वाल्मीकि,
3. दुर्ग द्वार पर दस्तक–कात्यायनी, परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ
4. स्त्री और पराधीनता–जॉन स्टुअर्ट मिल, संवाद प्रकाशन, मुम्बई?
5. स्त्री उपेक्षिता–सीमोन द बोउवार, हिन्द पॉकेट बुक्स
6. बधिया स्त्री–जर्मेन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन
7. स्त्री अधिकारों का औचित्य–मैरी वोल्टसन क्राफ्ट, राजकमल प्रकाशन
8. आदिवासी चिंतन की भूमिका–गंगा सहाय मीणा, अनन्य प्रकाशन
9. भारतीय नवजागरण और दलित, संपादक रविरंजन, हिंदयुग्म, नई दिल्ली

रत्नेश विश्वसेन
26-3-18

26.3.18

Scanned with OKEN Scanner